कछुए का दुख

एक समय की बात है, भारत के दक्षिणी तट पर बसे एक छोटे से गाँव में तारा नाम की एक प्यारी बच्ची रहती थी। तारा को समुद्र बहुत पसंद था। हर शाम, वह अपनी माँ के साथ रेत पर टहलने जाती और लहरों को देखती रहती। उसे समुद्री जीव, खासकर कछुए बहुत अच्छे लगते थे। उसने किताबों में पढ़ा था कि कछुए धरती के सबसे पुराने जीवों में एक हैं। वे लाखों साल से इस धरती पर हैं और समुद्र को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

एक दिन, जब तारा समुद्र किनारे खेल रही थी, उसे एक अजीब सी चीज दिखी। रेत में थोड़ी दूर पर, एक बड़ा सा कछुआ फँसा हुआ था। वह धीरे-धीरे साँस ले रहा था, और उसकी आँखें उदास थीं। तारा भागकर उसके पास गई। कछुए के ऊपर बहुत सारी प्लास्टिक की थैलियाँ, रस्सियाँ और एक पुरानी बोतल फँसी हुई थी।

तारा को बहुत दुख हुआ। उसने अपनी माँ को बतायाया, और उसकी माँ ने गाँव के कुछ लोगों को बुलाया। सबने मिलकर धीरे-धीरे कछुए के ऊपर से प्लास्टिक और रस्सियाँ हटाईं। कछुआ बहुत थक गया था, लेकिन जैसे ही वह आज़ाद हुआ, उसने धीरे-धीरे अपने पैर चलाए और समुद्र में वापस चला गया।

उस रात, तारा सपने में उसी कछुए से मिली। कछुए ने कहा, "धन्यवाद, छोटी तारा! तुमने मेरी जान बचाई। लेकिन मैं अकेला नहीं हूँ। मेरे बहुत से दोस्त और परिवार के सदस्य खतरे में हैं।"

तारा ने पूछा, "लेकिन क्यों? क्या हुआ है?"

कछुए ने उदासी से कहा, "समुद्र अब पहले जैसा नहीं रहा। इंसानों ने अपना रहन-सहन बदल लिया है। अब लोग ढेर सारा कचरा पैदा करते हैं, जो अंत में समुद्र में पहुँचता है। पुराने लोग डिब्बाबंद चीज़ें बहुत कम इस्तेमाल करते थे। अब हर चीज़ प्लास्टिक में पैक होकर आती है। खाली पैकेट्स को लोग कचरे में डाल देते हैं। हम समुद्र वासी अक्सर इन्हें खाना समझ लेते हैं और बीमार पड़ जाते हैं। कुछ तो इसमें फँसकर अपनी जान भी गँवा देते हैं।" तारा ने ध्यान से सुना। कछुए ने आगे कहा, "और सिर्फ कचरा ही नहीं। जब हम अंडे देने के लिए किनारे आते हैं, तो लोग हमारी जगहों पर कब्जाकर अपना घर बना लेते हैं या बहुत तेज़ रोशनी कर देते हैं, जिससे हम रास्ता भटक जाते हैं। हमारे बच्चे भी सुरक्षित नहीं हैं। लोगों ने हमारे रहने की जगहों को बरबाद कर दिया है।"

तारा का दिल भर आया। उसने कछुए से पूछा, "तो मैं क्या कर सकती हूँ? क्या हम कुछ कर सकते हैं?"

कछुए ने मुस्कुराते हुए कहा, "ज़रूर! तुम छोटी हो, लेकिन तुम्हारे पास बड़ा दिल है। तुम अपने दोस्तों को, अपने गाँव वालों को बता सकती हो कि समुद्र को साफ़ रखना कितना ज़रूरी है। तुम उन्हें बता सकती हो कि कचरा पैदा करने वाली जीवनशैली खुद तुम्हारे लिए कितनी खतरनाक है। "

सुबह जब तारा उठी, तो उसे सपने की सारी बातें याद थीं। उसने फैसला किया कि वह कछुए की बात मानेगी। उसने अपने स्कूल में एक छोटा सा भाषण दिया, अपने दोस्तों को बताया कि समुद्री जीव कैसे खतरे में हैं। उसने अपनी माँ के साथ मिलकर अपने पड़ोसियों को भी समझाया कि प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करें और ऐसी जीवनशैली अपनाएं जिसमें कम से कम कचरा पैदा हो।

धीरे-धीरे, तारा के गाँव में बदलाव आने लगा। लोग प्लास्टिक का कम इस्तेमाल करने लगे, और समुद्र तट पर कचरा कम दिखने लगा। जब अगली बार तारा समुद्र किनारे गई, तो उसने कुछ छोटे कछुओं को समुद्र की ओर जाते देखा। उसे लगा कि उनमें से एक उसे देखकर मुस्कुराया।

तारा जानती थी कि अभी बहुत काम बाकी है, लेकिन उसने एक शुरुआत की थी। उसने सीखा था कि हर छोटी कोशिश भी एक बड़ा बदलाव ला सकती है, और अगर हम सब मिलकर काम करें, तो हम अपने समुद्री दोस्तों को बचा सकते हैं। और उस दिन के बाद, तारा ने हमेशा समुद्र को अपना सबसे अच्छा दोस्त माना, और उसके दोस्तों की रक्षा करने का वचन लिया।

कहानी पोस्टर: बाल विज्ञान खोजशाला समिति, बेरीनाग (उत्तराखण्ड)

कछुए का गणित

समुद्री कछुए के चित्रांकन के माध्यम से ज्यामितीय अभ्यास की रोचक गतिविधि

सामग्री: ए-4 आकार का सादा पन्ना, पटरी, परकार (कॅम्पस) पेंसिल, इरेजर और पेंसिल कलर।

विधि:

1. सादे पन्ने को लंबाई और चौड़ाई में बीचों-बीच मोड़कर पन्ने का केंद्र बिन्दु O निकाल लें।
2. O को केंद्र मानकर 4 सेमी त्रिज्या के एक वृत्त खींच लें।
3. वृत्त के एक ओर परिधि पर एक बिन्दु A लें और 4 सेमी का चाप (arc) लेकर बिन्दु A के दोनों ओर वृत्त की परिधि को B और F पर काटें।
4. इसी तरह बिन्दु B और F से भी 4 सेमी का चाप लेकर वृत्त की परिधि पर C और E पर काटें। बिन्दु E से पुनः 4 सेमी का चाप लेकर बिन्दु D पर परिधि को काटें।
5. बिन्दु AB, BC, CD, DE, EF और FA को सीधी रेखाओं से जोड़ दें। आपका षटभुज तैयार है। अब आप वृत्त की परिधि को इरेजर की मदद से मिटा सकते हैं।
6. बिन्दु O, D और A को एक सीध में रखते हुए A तथा D से बाहर की ओर 2.5 सेमी लंबी रेखाएं AG और DJ खींच लें। इसी तरह O, C और F को एक सीध में रखते हुए F तथा C से बाहर की ओर 3 सेमी लंबी रेखाएं CI और FL खींचें। इसके बाद O, B और E को एक सीध में रखते हुए E तथा B से भी बाहर की ओर 3 सेमी लंबी रेखाएं EK और BH खींच लें।
7. अब G,H, I, J, K, और L बिंदुओं को मिलाते हुए एक दीर्घवृत्त (अंडाकार घेरा) बनाएं।
8. इस दीर्घवृत्त से एक सेमी बाहर की ओर एक और दीर्घवृत्त बनाएं।
9. बाहरी दीर्घवृत्त के एक सिरे की ओर दिए गए चित्र की तरह 3.5 सेमी त्रिज्या का वृत्त बनाएं, जिसका एक हिस्सा दीर्घवृत्त के भीतर रहेगा। यह कछुए का सिर होगा। सिर के भीतर दो आंखें भी बनाएं।
10. इसी तरह इस दीर्घवृत्त के दूसरे सिरे पर चित्र की तरह कछुए की पूंछ बना लें।
11. इसी तरह चित्र की तरह कछुए के 5 सेमी लंबे चार बेलनाकार पैर भी बनाएं।
12. कछुए की पीठ वाले भीतरी दीर्घवृत्त को भूरे रंग से और बाहरी दीर्घवृत्त को गाढ़े पीले रंग से रंग दें। कछुए के शरीर के बाकी हिस्सों को हरे रंग से रंगें। आपका रंग-बिरंगा कछुआ तैयार है।

ऐक्टिविटी कार्ड: बाल विज्ञान खोजशाला समिति, बेरीनाग (उत्तराखण्ड)
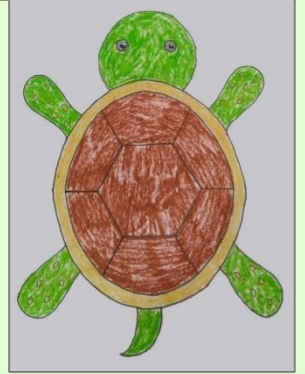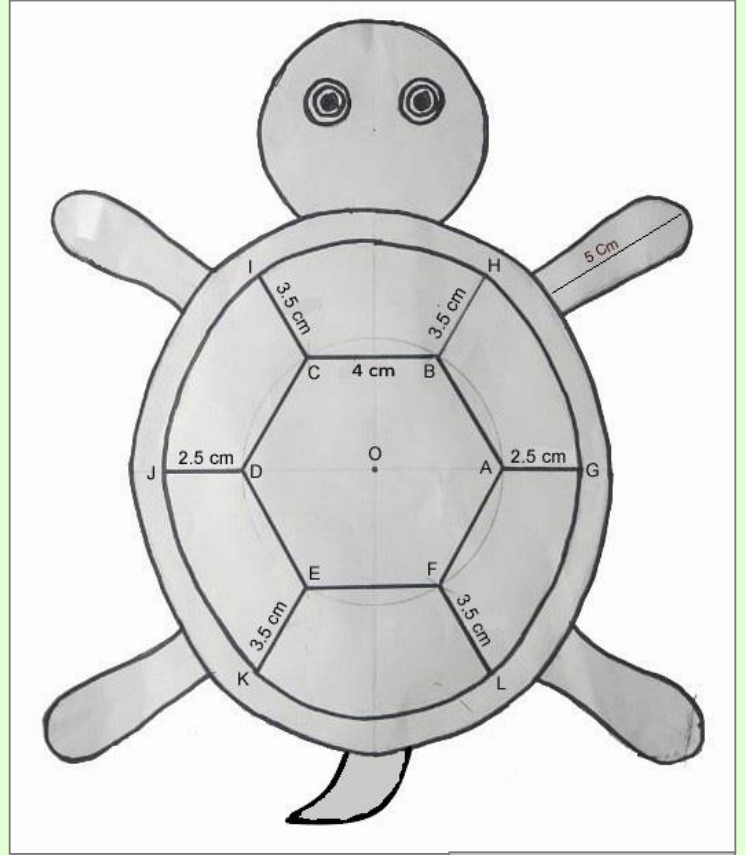
कछुए

सागर तट पर बैठे कछुए
लेकर कठिन सवाल
बिगड़ रही धरती की सेहत
उनका कौन हवाल?

किसकी ज़िद के आगे बोलो
नहीं किसी की चलती?
बदल रही जलवायु देखकर
कुदरत आँखें मलती!

हम कछुओं की सात जातियां
सागर जल में रहतीं
"ख़तरे में है सबका जीवन"
हर पल सुनती रहतीं

किसकी कारिस्तानी है ये,
कोई हमें बताए -
क्यों हजार अंडों में केवल
इक कछुआ बच पाए?

दुनिया भर का कूड़ा-कचरा
सागर में जब आता
सागर के ईको सिस्टम को
जहरीला कर जाता

जीव-जंतु सब संकट में हैं
किसने पता लगाया?
कौन सिरफिरा विपदाओं के
बादल लेकर आया?

• आशुतोष उपाध्याय

कविता पोस्टर: बाल विज्ञान खोजशाला समिति, बेरीनाग (उत्तराखण्ड)